स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एस.के.-007 : साहित्य शास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र **दो** खण्डों में विभाजित है । **सभी** खण्ड अनिवार्य हैं । खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए ।* *3×20=60*

1. काव्यप्रकाश में प्रतिपादित काव्यलक्षण की समीक्षा कीजिए ।

2. अभिहितान्वयवाद क्या है ? विस्तार से वर्णन कीजिए ।

3. काव्य में रसदोष क्या है ? काव्यप्रकाश में पठित अंश के आधार पर विस्तार से वर्णन कीजिए ।

4. अभाववादी मत क्या है ? ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत के पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए ।

5. काव्य में शब्दशक्ति की क्या उपयोगिता है ? शब्दशक्तियों का लक्षण लिखकर विस्तृत उत्तर दीजिए ।

6. रूपक के भेदों का वर्णन कीजिए ।

खण्ड ख

निर्देश : *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।* *4×10=40*

7. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति' की व्याख्या कीजिए ।

8. 'तात्पर्यार्थोपि केषुचित्' की व्याख्या कीजिए ।

9. अनुप्रास तथा यमक अलंकार का लक्षणोदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

10. काव्यप्रकाश के अनुसार काव्यहेतु का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

11. नाटक और प्रकरण के लक्षण लिखकर उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।

12. आचार्य मम्मट प्रतिपादित काव्य प्रयोजन की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ।

13. काव्य के कितने भेद हैं ? काव्यप्रकाश के अनुसार उत्तम काव्य का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

14. आचार्य भरतमुनि का परिचय लिखिए ।